

27.01.25

पत्रावली बेश हुई। जर्ची एवं जर्ची के
अधिकता को बार-बार आपाज डिलार,
गनी। जो हाफि नहीं है। अतः अहम
हाफरी एवं अहम वैरकी में जर्चना-फत
खाफि किया जाता है। पत्रावली नम्र से
रुम वें। बार आपा. कार्पाटी, मूल वाड के
सलंगन हो।



(दमचन्ती डेण)

उपखण्ड अधिकारी
फतेहपुर-सीकर(राज.)

